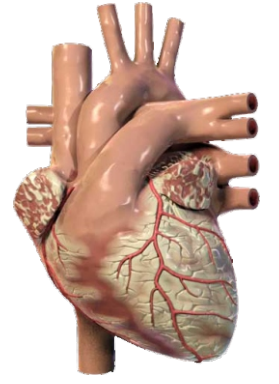


हृदय और धड़कन



वर्ष-5, अंक-56, अगस्त 20, 2014

 **CIMS**[®]
Care Institute of Medical Sciences

Price Rs. 5/-

कार्डियोलॉजिस्ट

डॉ. अजय नाईक	+91-98250 82666
डॉ. सत्य गुप्ता	+91-99250 45780
डॉ. विनीत सांखला	+91-99250 15056
डॉ. गुणवंत पटेल	+91-98240 61266
डॉ. केयूर परीख	+91-98250 66664
डॉ. मिलन चग	+91-98240 22107
डॉ. उर्मिल शाह	+91-98250 66939
डॉ. हेमांग बक्षी	+91-98250 30111
डॉ. अनिश चंदारणा	+91-98250 96922

कार्डियक सर्जन

डॉ. धवल नायक	+91-90991 11133
डॉ. सौरभ जयखाल	+91-95867 25827
डॉ. धीरेन शाह	+91-98255 75933

पिडियाट्रिक और स्ट्रुक्चरल हार्ट सर्जन

डॉ. शौनक शाह	+91-98250 44502
--------------	-----------------

कार्डियोवास्कुलर, थोरासीक और थोराकोस्कोपीक सर्जन

डॉ. प्रणव मोदी	+91-99240 84700
----------------	-----------------

कार्डियक एनेस्थेतिस्ट

डॉ. हिरेन धोलकिया	+91-95863 75818
डॉ. चितन शेट	+91-91732 04454
डॉ. निरेन भावसार	+91-98795 71917

पिडियाट्रिक कार्डियोलॉजिस्ट

डॉ. कश्यप शेट	+91-99246 12288
डॉ. मिलन चग	+91-98240 22107

निओनेटोलोजीस्ट और

पीडियाट्रिक इन्टेन्सिवीस्ट

डॉ. अमित चितलीया	+91-90999 87400
------------------	-----------------

कार्डियाक इलेक्ट्रोफिजियोलोजीस्ट

डॉ. अजय नाईक	+91-98250 82666
डॉ. विनीत सांखला	+91-99250 15056

रुमेटीक बुखार क्या है ? बचाव एवं उपचार

रुमेटीक बुखार (Rheumatic Fever) आम भाषा में हृदय का रुमेटीस्म के नाम से भी जाना जाता है। अगर तीव्र रुमेटीक बुखार (Acute Rheumatic Fever, प्रथम बार होने वाला बुखार) का ईलाज समय पर और पुरी तरह से नहीं किया जाये तो यह हृदय के वाल्व को प्रभावित करके ही रहता है।

तीव्र रुमेटीक बुखार एक ग्रुप ए स्ट्रेप्टोकोकस नामक बैक्टेरिया (जीवाणु) से होता है। स्ट्रेप्टोकोकस जीवाणु आम तौर पर गले में खराश पैदा करता है तथा संक्रमण का मुख्य कारण माना

जाता है। अगर समय पर इसका ईलाज नहीं किया जाये तो यह जीवाणु तीव्र रुमेटीक बुखार पैदा करके हृदय व जोड़ो (मुख्य रूप से बड़े जोड़)



की बीमारी पैदा कर सकता है। कभी कभी यह त्वचा एवं मस्तिष्क को भी प्रभावित करता है।

किस आयु समूह को यह सब से ज्यादा प्रभावित करता है ?

एसा माना जाता है कि 5 से 14 साल की आयु वाले बच्चो को यह संक्रमण ज्यादा

प्रभावित करता है। हालांकि लोगो की 40 वर्ष की आयु काल में यह पुनरावर्ती हो सकता है। लेकिन यह सबसे ज्यादा बच्चों को प्रभावित करता है क्योंकि उन के आयु समूह में गले में खराश होने की संभावना सबसे ज्यादा होती है। जरूरी नहीं की सभी बच्चे जिन्हें गले में खराश या संक्रमण हो, तो यह रोग पैदा हो। अच्छी बात यह है कि यह रोग 0.3 – 3 % लोगो में ही विकसित होता है जिन्हे ग्रुप ए स्ट्रेप्टोकोकस का संक्रमण हुआ है।

रुमेटीक बुखार के कारण

1. बार बार गले में संक्रमण या खराश का पैदा होना
2. स्वास्थ्य पूर्ण वातावरण में नहीं रहना
3. स्वच्छता का अभाव
4. ज्यादा भीड़भाड़ में रहना
5. कभी कभी यह वंशानुगत भी होता है

रुमेटीक बुखार के लक्षण

जोड़ो का दर्द (Joint Pain) :

जोड़ो में सुजन व दर्द के साथ साथ जोड़ लाल व गर्म भी हो सकते है। यह रोग खासकर बड़े जोड़ो को जैसे घुटनो, टखनो, कलाई और कोहनीयो को ज्यादा प्रभावीत करता है। रुमेटी जोड़ो का दर्द घुमता रहता है अर्थात पहले एक जोड़ को प्रभावीत करता है तथा पहला ठीक



होने वाला होता है तभी वह दुसरे जोड़ को भी प्रभावित करता है ।

बुखार (Fever) :

मरीज़ को तेज या साधारण बुखार हो सकता है तथा जुखाम जैसे भी लक्षण हो सकते हैं ।

सिडनीहम्स कोरीया (Sydenham's Chorea) :

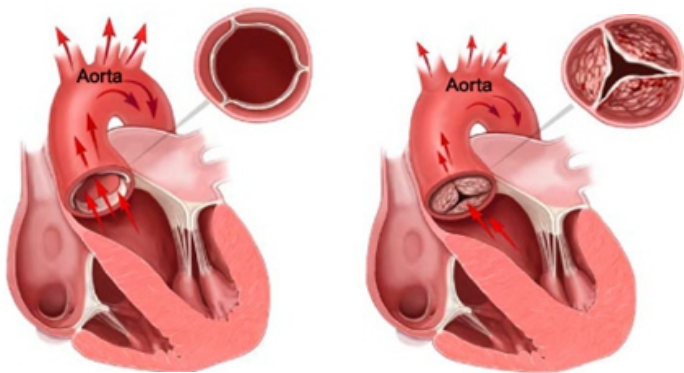
मस्तीष्क में कुछ रासायनिक बदलाव होने के कारण मरीज़ में शरीर के विभिन्न भागों का अनियंत्रित तरीके से हिलना व झटके लगना

ईरीदीमा मार्जिनेटम (Erythema Marginatum) :

छाती व पीठ की त्वचा पर लाल-लाल चकते जैसे निशान बन जाना । यह लक्षण काफी कम मरीज़ों में देखने को मिलता है ।

चमडी में गांठे (Subcutaneous nodules) :

छोटी-छोटी गोलाकार गांठे जो की कोहनी, कलाई, घुटने, टखनो व रीढ़ की हड्डी के क्षेत्रों में बन सकती हैं । यह लक्षण भी काफी कम मरीज़ों में देखने को मिलता है ।



हृदय की तकलीफ (Carditis) :

मरीज़ के हृदय की धड़कन बढ़ जाती है तथा श्वास लेने में भी तकलीफ हो सकती है ।

रुमेटीक बुखार का वैज्ञानिक विश्लेषण

रुमेटीक बुखार एक विशेष प्रकार के ग्रुप ए स्ट्रेप्टोकोकस जीवाणु (बेक्टेरिया) के कारण होता है ।

जब यह जीवाणु गले के अंदर सुजन व सक्रमण पैदा करता है तो इसके विपरीत शरीर की रोगप्रतिरोधक तंत्र एक प्रोटीन का निर्माण करता है जिसे एन्टीबोडी कहते हैं । यह एन्टीबोडी गले में उपस्थित जीवाणु का बड़ी सरलता से सामना करता है तथा संक्रमण को फेलने से बचाता है ।

शरीर के कुछ प्रोटीन जो की हृदय, जोड़ों, मस्तिष्क व त्वचा में होता है उस प्रोटीन की बनावट ग्रुप ए स्ट्रेप्टोकोकस के बहुत ही समान होती है अतः जो एन्टीबोडी जीवाणु को मारने में मदद करती है वही एन्टीबोडी शरीर के स्वस्थ प्रोटीन को भी नष्ट करती है तथा नुकसान पहुंचाती है । परिणाम स्वरूप हृदय के वाल्व, मांसपेशीया, जोड़, त्वचा व मस्तीष्क भी इस रोग का शिकार हो जाता है । जोड़, मस्तिष्क व त्वचा में बदलवा व नुकसान, कुछ समय बाद प्राकृतिक रूप से ठीक हो जाता है लेकिन रुमेटीक बुखार का उपचार यदी समय पर नहीं किया जाये तो ये हृदय के वाल्व व मांसपेशीयो को स्थाई रूप से खराब कर देता है परिणाम स्वरूप मरीज़ को भविष्य में या तो वाल्व का बलुन पध्धति से इलाज करवाना पडता है या बदलवाना भी पडता है ।

चिरकालिन या क्रोनीक रुमेटीक बुखार क्या है ?

(Chronic Rheumatic Heart Disease):

जब तीव्र (Acute) रुमेटीक बुखार हृदय को प्रभावित करता है तब उसे स्थाई रूप से नुकसान पहुंचाता है, बिमारी की अवस्था को हम क्रोनीक रुमेटीक हार्ट की बीमारी कहते हैं ।

सबसे ज्यादा नुकसान हृदय के वाल्व में होता है जो सुकड (Stenosis) भी सकता है । क्षतीग्रस्त होने के कारण अगर वाल्व पुरी तरह से बंद नहीं हो तो रक्त को पीछे की तरफ भी धकेल (Regurgitation) सकता है । कुछ रोगीयो में यह समस्या एक साथ एक वाल्व या अलग अलग वाल्व में भी हो सकती है ।

हृदय के अंदर वैसे तो चार वाल्व अलग अलग जगह पर होते हैं लेकिन रुमेटीक हार्ट बुखार ज्यादातर माइट्रल (Mitral) ओओर्टिक (Aortic) व ट्राईकस्पीड (Tricuspid) वाल्व को मुख्यता से प्रभावित करता है ।

इन सभी लक्षणों में से जोड़ों का दर्द व बुखार सबसे ज्यादा मरीज़ों में देखने को मिलता है ।



अगर मरीज़ का वाल्व बहुत ज्यादा खराब या प्रभावित नहीं हो तो कभी कुछ भी लक्षण प्रकट नहीं होते तथा सामान्य जांच के दौरान ही पता चलता है। यदि वाल्व में खराबी बहुत ज्यादा हो या हृदय की मांसपेशीया काफी कमजोर पड़ जाती हो तो मरीज़ में निम्नलिखित लक्षण दिखाई देते हैं।

१. धड़कन का बढ़ा हुआ महसूस होना
२. श्वास में तकलीफ
३. सोते समय अचानक ऑक्सिजन की कमी महसूस होना तथा उठकर बैठ जाना
४. पावों में सुजन

तीव्र रुमेटीक बुखार का इलाज

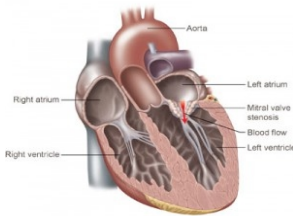
(Treatment of Acute Rheumatic Fever)

तीव्र रुमेटीक बुखार का मुख्य इलाज एस्पिरिन है जो की बहुत ही ज्यादा मात्रा में (100 mg/kg/day) दी जाती है। जब रुमेटीक का असर बहुत ज्यादा होता है तो पहले स्टीरोईड (steroid) दवा को थोड़े समय तक देकर उसे एस्पिरिन की दवा से अधिव्यापन भी किया जाता है। गले में खराश व जीवाणु को नियंत्रण में करने के लिये 10 दिन की एन्टीबायोटिक का कोर्स भी दीया जाता है। मरीज़ को अगर लक्षण ज्यादा हो तो उसे कुछ समय तक पुरा विश्राम (Bed Rest) करने की सलाह दी जाती है। अगर तीव्र रुमेटीक बुखार का इलाज समय पर हो जाये तो व्यक्ति के दिल में स्थायी वाल्व की बिमारी होने से बचा सकता है या उसे और आगे बढ़ने से रोक सकते हैं।

चिरकालीन रुमेटीक हृदय की बीमारी का इलाज

(Treatment of Chronic Rheumatic Heart Disease)

चिरकालीन रुमेटीक बीमारी को ठीक करने की कोई दवा नहीं होती है, मरीज़ को इसके लक्षण के प्रमाण से इलाज दिया जाता है, अगर श्वास में तकलीफ ज्यादा हो तो उसके वाल्व को गुब्बारे से चौड़ा करने (Balloon Mitral Valvuloplasty - BMV) या फिर वाल्व को बदले की सलाह दी जाती है।



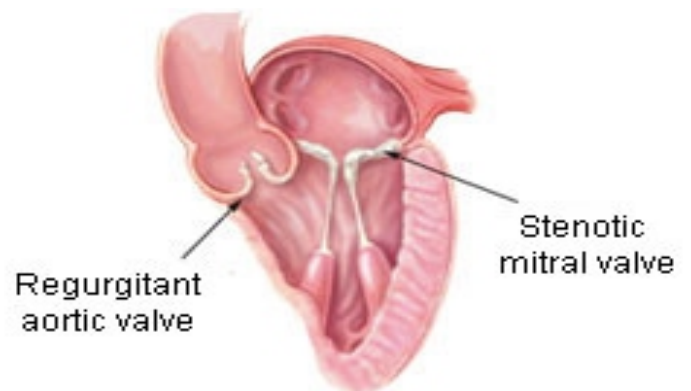
तीव्र रुमेटीक बुखार की रोकथाम

उचित देखभाल एवं नियमित रूप से पेनिसिलिन इन्जेक्शन के द्वारा, रुमेटीक बुखार के साथ अधिकांश लोग एक सामान्य जीवन व्यतित कर सकते हैं।

- ◆ गले में खराश हो तो अनदेखी न करें। अपने चिकित्सक से परामर्श करें। गले में खराश के समुचित इलाज से रुमेटीक बुखार के हमले को रोकने में सहायता होती है।
- ◆ स्वस्थ एवं स्वच्छ वातावरण में रहे।
- ◆ हाथ एवं मूंह नियमित रूप से साफ करें - स्ट्रेप एवं अन्य कीटाणुओं को धोने के लिए।
- ◆ बच्चों में इसके लक्षणों का ध्यान रखें, 5 से 14 साल की आयु वाले लोगों में रुमेटीक बुखार होने की संभावना सबसे ज्यादा रहती है।
- ◆ रुमेटीक बुखार की वजह से हृदय प्रभावित हो सकता है इसलिए धूम्रपान या मोटापे जैसे कारणों से हृदय पर ज्यादा तनाव न डालें।
- ◆ शरीर को स्वस्थ रखने के लिए एवं कीटाणुओं से लड़ने में सहायक हो ऐसा स्वास्थ्यप्रद आहार लें।

पेनीसीलीन इन्जेक्शन

एक बार अगर किसी व्यक्ति को तीव्र रुमेटीक बुखार होता है तो उसे अगले 10 साल तक या 21 वर्ष की उम्र तक इसमें से जो भी समय ज्यादा हो तब तक पेनीसीलीन का इन्जेक्शन लेना पड़ता है। लेकिन अगर किसी व्यक्ति के हृदय के वाल्व को नुकसान पहुंच चुका है तो उस व्यक्ति को इन्जेक्शन 35-40 साल की आयु तक लेना चाहिये। यह एक तौर पर लंबी अवधि लगती है लेकिन यदि यह उपचार न किया गया तो वह व्यक्ति को फिर से रुमेटीक का हमला हो सकता है जो यकीनन उस के हृदय के लिए घातक सिद्ध हो सकता है।



रुमेटीक बुखार के इतिहास वाले व्यक्ति को अपना पेनिसिलिन इन्जेक्शन लेना कभी भी नहीं भूलना चाहिए। अगर व्यक्ति एक इन्जेक्शन लेना भूल जाता है तो दूसरा इन्जेक्शन जल्द से जल्द ले लेना चाहिए। पेनिसिलिन इन्जेक्शन लेना भूल जाना एक तरह से रुमेटीक बुखार के हमले को दुबारा न्यौता देने जैसा है जिस से कि हृदय को स्थायी रूप से हानि पहुंच सकती है। आप को इन्जेक्शन कब लेना है उस का एक चार्ट बनाकर फ्रिज या फिर अलमारी पर लगा के रखें एवं आप के मोबाईल फोन में रिमाइंडर रखें। यह आप के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है कि आप इन्जेक्शन लेना और चिकित्सालय जाना याद रखें।

रुमेटीक के दुबारा हमले की रोकथाम

यदि किसी को अतीत में रुमेटीक बुखार हुआ है, तो उसे पुनः रुमेटीक बुखार का हमला होने की संभावना बढ़ जाती है। कई वर्षों तक पेनिसिलिन इन्जेक्शन के रूप में नियमित उपचार ही रुमेटीक की पुनरावृत्ति या दुबारा होने वाले संभावित हमले को रोकने का एकमात्र रास्ता है। बुखार का पुनरावर्तित हमला रुमेटीक हृदय रोग को और भी खराब परिस्थिति में ला खड़ा कर देता है।

एक बार किसी व्यक्ति की वाल्व की सर्जरी हो चुकी हो तो तथा उसका हृदय और भी कमजोर न हो इस के लिए रुमेटीक बुखार के फिर से हमले से बचना जरूरी है।

तीव्र रुमेटीक बुखार, इस की पुनरावृत्ति या रुमेटीक हृदय रोग के रोकथाम के रास्ते

नियमित रूप से पेनिसिलिन इन्जेक्शन

- ◆ रुमेटीक बुखार को रोकने के लिए सब से श्रेष्ठ उपाय नियमितरूप से पेनिसिलिन का इन्जेक्शन लेना है। यह डॉक्टर द्वारा निर्धारित किया जाता है।
- ◆ 10 साल तक या 21 वर्ष की उम्र तक इसमें से जो भी समय ज्यादा हो तब तक पेनिसिलीन का इन्जेक्शन लेना पड़ता है।
- ◆ इन्जेक्शन लेना पीडाकारक है लेकिन समय के साथ यह आसान हो जाता है।
- ◆ यह इन्जेक्शन तालीमबद्ध हेल्थ वर्कर, नर्स या डॉक्टर द्वारा सेन्सीटीवीटी टेस्ट करने के बाद ही दिया जाना चाहिए।



सीम्स अस्पताल को इन्टरनेशनल सेन्टर ऑफ एक्सेलन्स की मान्यता



International
Centers
of Excellence
2014-2015

समस्त विश्व और भारत में एवं गुजरात, राजस्थान और मध्य प्रदेशमें विश्वस्तरीय उच्चतम हृदय रोग के ईलाज के लिए एक मात्र हॉस्पिटल

हर साल, हृदयरोग के उपचार हेतु लाखों लोग भर्ती होते हैं। सीम्स अस्पताल में, हम हमारे हृदयरोग के सभी मरीजों को योग्य निदान प्राप्त करने में एवं श्रेष्ठ परिणाम प्राप्त करने में ठीक समय पर हस्तक्षेप करने के अलावा भविष्य में फिर से अस्पताल में न आना पड़े उस संभावना को न्यून करने के साथ सुनिश्चित सेवाएं उपलब्ध करवाने को प्रतिबद्ध हैं।

हाल ही में, हमारे प्रयासों की वजह से सीम्स अस्पताल को अमेरिकन कॉलेज ऑफ कार्डियोलॉजी द्वारा इन्टरनेशनल सेन्टर ऑफ एक्सेलन्स के तौर पर मान्यता प्राप्त हुई।

यह विशिष्टता का लाभ यह हुआ कि हमारी कार्डियाक केर टीम (दिल की देखभाल करनेवाला जथ्था) की जिस में सर्जनस, डाक्टरस, नर्सिंग, फार्मासिस्ट एवं अन्य लोग सामिल हैं, अब उनके श्रेष्ठतम परिणाम प्राप्त करने हेतु, अद्यतन वैज्ञानिक संशोधन एवं माहिती के आधार पर सहाय के लिए तैयार किये गये कार्यक्रम एवं साधन का उपयोग कर सकेंगे।

कार्डियाक केर टीम के लिए वैज्ञानिक संशोधन एवं मार्गदर्शन, आंतरराष्ट्रीय सुधार कार्यक्रम एवं शैक्षणिक तथा साधनों को लिए ख्यात अैसी अमेरिकन कॉलेज ऑफ कार्डियोलॉजी जैसी संस्था के साथ कार्य करने का अवसर पाकर हम उत्साहित हैं।

इन्टरनेशनल सेन्टर फोर एक्सेलन्स के तौर पर मान्यता हमारी कार्डियोवास्कुलर केर के मरीजों एवं आसपास के समुदाय के लिए हमारी प्रतिबद्धता को स्पष्टरूप से दर्शाता है।



सीम्स एक्सप्रेस (कार्डियोलॉजी) उसी दिन अपोइन्टमेन्ट नये मरीज / दुसरे अभिप्राय के लिये
फॉन 098250 66661, 079-3010 1008 (सुबह 9 से शाम 5 बजे तक) 098244 50000 (24 x 7)

सीम्स अस्पताल : शुक्रन मॉल के पास, ऑफ सायन्स सिटी रोड, सोला, अहमदाबाद-380060.

info@cims.me | www.cims.me

f/cimshospitals



नियमित रूप से दांतों का चेकअप-जांच

- ◆ आप के दांत चिकित्सक (डेंटिस्ट) को बतायें कि आप रुमेटीक बुखार या रुमेटीक हृदय रोग से पीड़ित हैं या नहीं।
- ◆ अतीत में रुमेटीक बुखार से पीड़ित होने पर दांत प्रक्रिया के बाद बैक्टीरियल एन्डोकार्डिटिस (Bacterial endocarditis - शरीर के आंतरिक अंगों का संक्रमण, जो कि एक जानलेवा बीमारी है) विकसित हो सकती है। अगर दांत चिकित्सक इस बारे में जानते हैं तो वे आपको दांत निकालने या फिलिंग करने से पहले एन्टीबायोटिक का इन्जेक्शन देंगे ताकि आप बैक्टेरिया एन्डोकार्डिटिस से बच सकें।
- ◆ कृपया दिन में दो बार ठिक से ब्रश करें और साल में एक बार दांत चिकित्सक को दिखायें-

अपने दिल के वाल्व्स की जांच कराये

- ◆ हृदय के वाल्व की स्थिति समझने के लिये समय समय पर इकोकार्डियोग्राफी कराये। यह जांच विशेषज्ञ के द्वारा कराये जैसे कि कार्डियोलॉजिस्ट।

यह बात याद रखें की तीव्र रुमेटीक बुखार से बचाव करने से रुमेटीक हृदय रोग से बचा जा सकता है। अगर एक बार किसी व्यक्ति को रुमेटीक हृदय रोग हो गया तो फिर वह उसके साथ आजीवन रहता है, इसके बावजूद भी सामान्य जिवन व्यतित कर सकता है। थोड़ी सी सावधानी बरतने से बाकी उचित देखभाल और नियमित पेनिसिलिन इन्जेक्शन के साथ, अधिकांश बच्चे कि जिन्हे रुमेटीक बुखार होता है, सामान्य जीवन व्यतित करते हैं।

सौजन्य

डॉ. सत्य गुप्ता

एम.डी., डी.एम. कार्डियोलॉजी (सीएमसी वेल्लोर)
फेलो इन इन्टरवेंशनल कार्डियोलॉजी (फ्रान्स)
फेलो इन युरोपीयन सोसायटी ऑफ कार्डियोलॉजी (FESC)
फेलो इन अमेरिकन कॉलेज ऑफ कार्डियोलॉजी (FACC)
रेडियल इन्टरवेंशनल के विशेषज्ञ
मोबाईल : +91-99250 45780
ई-मेल : satya.gupta@cims.me
वेबसाईट : www.dr.satyagupta.com

डॉ. सत्य गुप्ता राजस्थान के जोधपुर, पाली, सुमेरपुर, सीरोही, आबु रोड, भीनमान, सांचोर और धानेरामें अपनी सेवाएं प्रदान करते हैं। इसकी ज्यादा जानकारी पेज-7 में दी गई है।

CIMS ECMO



ECMO ECLS

(Extracorporeal Membrane Oxygenation-Extracorporeal Life Support System)

पहली बार गुजरात, राजस्थान और मध्य प्रदेश में

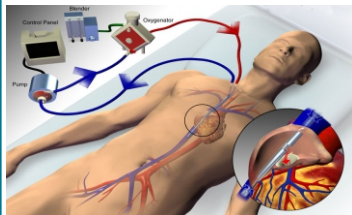
ECMO मशीन निम्नलिखित स्थितियोंमें मददगार होता है :

हृदय की समस्याएं:

- हार्ट फेल्योर
- बायपास सर्जरी के पहले या बाद
- हृदय प्रत्यारोपण के पहले या बाद
- जटिल हृदय की सर्जरी के बाद
- जन्मजात हृदय की समस्याएं
- दिल का बड़ा दौरा पड़ने के बाद
- जटिल एन्जियोप्लास्टी के पहले या बाद

फेफड़े की समस्याएं:

- वयस्को में रेस्पिरेटरी डिस्ट्रेस सिन्ड्रोम (ARDS)
- स्वाईन फ्लू, न्युमोनिया
- अस्थिमेटिक स्थिति
- केमिकल न्युमोनिया
- इन-हेलेशनल न्युमोनिया
- नियर ट्रोनिंग
- अक्युट चेस्ट सिन्ड्रोम (सिकल सेल)
- ब्रॉन्कीयोलीटीस, रेसीस्टन्ट और लोक सिन्ड्रोम



ECMO सिस्टम द्वारा

दुनिया में सेंकड़ों जाने बचाई गई है



ECMO पैकेजिस (8 दिन के)*

विवरण	सीम्स दर	जो मरीज कम समर्थ हैं उनके लिये RKP ट्रस्ट की मदद द्वारा
ECMO (जनरल बोर्ड)	₹ 4,70,000	₹ 3,95,000 [†]
ECMO (सिंगल क्लास)	₹ 6,70,000	---
ECMO (स्युट क्लास)	₹ 9,00,000	---

[†]सब्सिडी ट्रस्ट की जांच प्रक्रिया के अनुसार योग्य मानदंड पूरे किये जाने वाले रोगियों का प्रदान की जायेगी

*शतें लागू

सीम्स अस्पताल: शुक्रन मॉल के पास, ऑफ सायन्स सिटी रोड, सोला, अहमदाबाद-380060.

एपोइन्टमेंट के लिये फोन : +91-79-3010 1200, 3010 1008

(मो) +91-98250 66661 ईमेल : opd.rec@cimshospital.org

फोन : +91-79-2771 2771-75 (5 नंबर) फेक्स : +91-79-2771 2770

ईमेल : info@cims.me वेब : www.cims.me

भारतमें सबसे बड़ी ECMO टीमों में से एक

ECMO चीफ को-ऑर्डिनेटर्स

डॉ. धवल नायक +91-90991 11133

ECMO क्लीनिकल करे / रेस्पिरेटरी टीम

डॉ. विपुल ठक्कर +91-98254 88220

डॉ. भाग्येश शाह +91-90990 68938

डॉ. हर्षल ठाकर +91-99099 19963

डॉ. अमित अंच. पेटल +91-98243 10150

डॉ. नितेश के. शाह +91-98250 27487

ECMO नीओनेटोलॉजी और पीडियाट्रीक कार्डियाक टीम

डॉ. अमित चित्तलीया +91-90999 87400

डॉ. कश्यप शेठ +91-99246 12288

डॉ. शौनक शाह +91-98250 44502

ECMO कार्डियाक सर्जरी टीम

डॉ. धीरेन शाह +91-98255 75933

डॉ. धवल नायक +91-90991 11133

डॉ. सौरभ जयस्वाल +91-95867 25827

ECMO एनेस्थेटिस्ट टीम

डॉ. हिरेन धोलकिया +91-95863 75818

डॉ. चिंतन शेठ +91-91732 04454

डॉ. निरेन भावसार +91-98795 71917

ECMO पफ्युसनीस्ट टीम

उल्हास पडीयार +91-98983 57772

धन्यता धोलकीया +91-95864 49430

ECMO नर्सिंग टीम

www.cims.me/ecmo

एम्बुलन्स और आपातकालीन सेवायें : +91-98244 50000, 97234 50000, 90990 11234





सीम्स कैंसर... एक नयी उम्मीद



सीम्स अस्पतालमें विश्व की अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी जो कैंसर के विरुद्ध संघर्ष में मदद करेगा

एशिया में पहली बार, Versa-HD रेडियेशन थेरापी जो विभिन्न प्रकार के ट्यूमर और जटिल प्रकार के कैंसर का इलाज करेगा

अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी | कुशल कैंसर चिकित्सक | सक्षम और व्यक्तिगत कैंसर समाधान | कैंसर का शीघ्र निदान और इलाज

रेडियेशन ओन्कोलॉजिस्ट

डॉ. देवांग सी. भावसार (मो) 098253 74411

डॉ. किंजल आर. जानी (मो) 098255 76533

कैंसर स्पेशलीटी क्लिनिक

- ◆ मुंह और गले के कैंसर
- ◆ स्तन कैंसर
- ◆ होजरी और कोलोरेक्टर
- ◆ प्रोस्टेट और मूत्राशय का कैंसर
- ◆ गायनेक कैंसर
- ◆ फेफड़े के कैंसर
- ◆ बच्चों के कैंसर
- ◆ बोन कैंसर
- ◆ दिमाग का कैंसर

सीम्स कैंसर एक्सप्रेस

रेडियोथेरापी / कीमोथेरापी / सर्जरी कन्सलटेशन, सेकन्ड ओपीनियन के लिये सर्वोत्तम सेवा हेतु तात्कालिक (उसी दिन) अपोईन्टमेंट प्रतिदिन ओपीडी (सोमवार से शनिवार) सुबह 9 से रात्रि 8 बजे तक

अपोईन्टमेंट के लिये संपर्क करें +91-99792 75555
+91-79-3010 1257

ईमेल : cims.cancer@cimshospital.org



सीम्स हॉस्पिटल : शुक्रन मॉल के पास, ऑफ सायन्स सिटी रोड, सोला, अहमदाबाद-380060.

फोन : +91-79-2771 2771-75 (5 नंबर) फेक्स : +91-79-2771 2770

info@cims.me | www.cims.me

सीम्स कैंसर आउट पेशन्ट क्लिनिक

कैंसर सर्जन के कन्सलटेशन का समय

	सुबह 9 से दोपहर 12 बजे तक	दोपहर 12 से 2 बजे तक	दोपहर 3 से 5 बजे तक	शाम 6 से 8 बजे तक
सोमवार	डॉ. दर्शित दलाल डॉ. दर्शन भणशाली डॉ. जैमीन शाह	डॉ. जयेश डी. पटेल डॉ. चैतन्य श्रोफ	डॉ. धवल राजदे डॉ. रुपेश मोदी	डॉ. मुकुल त्रिवेदी डॉ. अंजना चौहाण डॉ. जयवीरसिंह झाला
मंगलवार	डॉ. मूर्तुझा लक्ष्मीधर डॉ. नटु पटेल डॉ. जयेश वी. पटेल और गुप	डॉ. नटवर गुप्ता	डॉ. धवल राजदे डॉ. रुपेश मोदी	डॉ. अंजना चौहाण डॉ. जस्मिन वसावडा डॉ. पिनाकीन शाह डॉ. ब्रिजेश पटेल
बुधवार	डॉ. मूर्तुझा लक्ष्मीधर डॉ. शंकुतला शाह	डॉ. चैतन्य श्रोफ	डॉ. महेश पटेल डॉ. मुकुत त्रिवेदी डॉ. मीता मांकड	डॉ. किरण कोठारी डॉ. अशोक पटेल
गुरुवार	डॉ. जयेश वी. पटेल डॉ. नटु पटेल डॉ. देवेन्द्र परीख	डॉ. चैतन्य श्रोफ	डॉ. अंजना चौहाण डॉ. रुपेश मोदी	डॉ. मुकुल त्रिवेदी डॉ. शैलशकुमार पटेल
शुक्रवार	डॉ. जयेश प्रजापति डॉ. भावना परीख	डॉ. जयेश डी. पटेल डॉ. जस्मिन वसावडा डॉ. पिनाकीन शाह डॉ. ब्रिजेश पटेल	डॉ. जयेश जे. पटेल डॉ. आवा देसाई	डॉ. तरंग पटेल डॉ. अशोक पटेल
शनिवार		डॉ. अंजना चौहाण डॉ. राजन टंकशाली (दोपहर १ से २ बजे तक)	डॉ. सोमेश चंद्र	

कैंसर विशेषज्ञ के कन्सलटेशन का समय

	सुबह 10 से दोपहर 12 बजे तक	दोपहर 3 से 5 बजे तक
सोमवार	डॉ. राहुल जयस्वाल	डॉ. अभिषेक ककरु
मंगलवार	डॉ. भाविन शाह	डॉ. चिराग देसाई
बुधवार	डॉ. राहुल जयस्वाल	डॉ. अभिषेक ककरु डॉ. संदिप शाह
गुरुवार	डॉ. भाविन शाह	डॉ. अभिषेक ककरु
शुक्रवार	डॉ. राहुल जयस्वाल	डॉ. चिराग देसाई
शनिवार	डॉ. राहुल जयस्वाल	
ओन कोल	डॉ. अभिषेक ककरु	

बच्चे के कैंसर के विशेषज्ञ का कन्सलटेशन

डॉ. दीपा त्रिवेदी - हर मंगलवार और शुक्रवार

विशेष कन्सलटेशन

डॉ. शैलेश तलाटी डॉ. संदिप शाह

डॉ. मीथुन शाह : ओन कोल (सोमवार से शनिवार)

डॉ. दिलीप श्रीनिवासन

(मंगलवार दोपहर १२ से १ बजे तक)





सीम्स अस्पताल के विशेषज्ञ राजस्थान और एम.पी. में निम्नलिखित स्थान पर परामर्श के लिये मिलेंगे ।

डॉक्टर का नाम	दिन	समय	स्थान	अपोइन्टमेन्ट नंबर
डॉ. सत्य गुप्ता (हृदयरोग विशेषज्ञ)	तीसरे शनिवार	सुबह 9 से 12 बजे	जोधपुर	+91-9974854297
		दोपहर 2 से 7 बजे	पाली	+91-9974854297
	तीसरे रविवार	सुबह 8 से 11 बजे	सुमेरपुर	+91-9974854297
		दोपहर 12 से 1 बजे	सीरोही	+91-9974854297
		शाम 4 से 5 बजे	आबु रोड	+91-9974854297
	चौथे रविवार	सुबह 8 से 11 बजे	भीनमाल	+91-9974854297
		दोपहर 12 से 3 बजे	सांचोर	+91-9974854297
		शाम 4 से 5 बजे	धानेरा	+91-9974854297
	डॉ. कश्यप शेट (बाल हृदयरोग विशेषज्ञ)	तीसरे बुधवार	सुबह 10 से 12 बजे	भंडारी चिल्ड्रन अस्पताल 90-एल रोड, भोपालपुरा, उदयपुर ।
दोपहर 12 से 2 बजे			मेडीसेन्टर सोनोग्राफी लेब, श्रीनाथ प्लाज़ा, एम.बी. गर्वमेन्ट अस्पताल के सामने, उदयपुर ।	+91-9924612288
डॉ. धीरेन शाह डॉ. धवल नायक (हृदय की बायपासके विशेषज्ञ) डॉ. अमिर संघवी डॉ. अतित शर्मा (जोइन्ट रिप्लेसमेन्ट विशेषज्ञ) डॉ. जयंत झाला (सर्जिकल गेस्ट्रो, हीपेटोबीलीयरी और लेप्रोस्कोपी के विशेषज्ञ)	चौथे शनिवार	सुबह 10 से 1 बजे	अमर आशिष अस्पताल पोस्ट ऑफीस रोड, एम.बी. गर्वमेन्ट अस्पताल के सामने, उदयपुर ।	+91-9099537491 +91-9099066527 +91-9825108257 +91-9099066528
			वसुंधरा अस्पताल, चौपासनी हाउसिंग बोर्ड, जोधपुर ।	+91-9099537491 +91-9825108257 +91-9099066528
			रोझी फिझीयोथेरापी सेन्टर, वुडलेन्ड होटल के सामने, सुरज पोल, पाली ।	+91-9099066527
डॉ. अमिर संघवी डॉ. अतीत शर्मा (जोइन्ट रिप्लेसमेन्ट विशेषज्ञ) डॉ. पुरव पटेल (दिमाग और स्पाईन सर्जरी के विशेषज्ञ) डॉ. जयंत झाला (सर्जिकल गेस्ट्रो, हीपेटोबीलीयरी और लेप्रोस्कोपी के विशेषज्ञ)	तीसरे शनिवार	सुबह 9 से 12 बजे	वसुंधरा अस्पताल, चौपासनी हाउसिंग बोर्ड, जोधपुर ।	+91-9099537491 +91-9825108257 +91-9099066528
		दोपहर 3 से 5 बजे	रोझी फिझीयोथेरापी सेन्टर, वुडलेन्ड होटल के सामने, सुरज पोल, पाली ।	+91-9099066527
डॉ. सौरभ जयस्वाल (हृदय की बायपासके विशेषज्ञ) डॉ. चिराग टक्कर (गेस्ट्रोइन्टेस्टीनल और बेरीयाट्रीक सर्जन)	चौथे शुक्रवार	सुबह 11 से 3 बजे	शाह अस्पताल, कात्जु नगर, रतलाम ।	+91-9099066528



"Hriday Aur Dhadkan" Registered under RNI No. GUJHIN/2009/28021

Published 20th of every month

Permitted to post at PSO, Ahmedabad-380002 on the 1st to 7th of every month under

Postal Registration No. **GAMC-1730/2013-2015** issued by SSP Ahmedabad valid upto 31st December, 2015

If undelivered Please Return to :

CIMS Hospital, Nr. Shukan Mall,

Off Science City Road, Sola, Ahmedabad-380060.

Ph. : +91-79-2771 2771-75 (5 lines)

Fax: +91-79-2771 2770

Mobile : +91-98250 66664, 98250 66668

“हृदय और धड़कन” का अंक प्राप्त करने के लिये : अगर आपको “हृदय और धड़कन” का अंक चाहिए तो इसका मूल्य ₹ 60 (12 अंक) है । इसको प्राप्त करने के लिये केश या चेक/डीडी सीम्स हॉस्पिटल प्रा. ली. के नाम से और आपका नाम और पुरे पते के साथ हमारी ऑफिस हृदय और धड़कन डिपार्टमेंट, सीम्स अस्पताल, शुक्न मॉल के पास, ऑफ सायन्स सिटी रोड, सोला, अहमदाबाद-380060 पर भेज दे । फोन नं. : +91-79-3010 1059/1060

Care At Homes

home health @ your doorstep

पुरी चिकित्सा देखभाल आप के घर पे

मेडिकल | नर्सिंग | केरगिवर | पुनःवास सेवाएं

पहली
बार
गुजरात में



सीम्स अस्पताल

शुक्न मॉल के पास, ऑफ सायन्स सिटी रोड, सोला, अहमदाबाद-380060.

फोन : +91-79-2771 2771-75 (5 नंबरर्स) फेक्स : +91-79-2771 2770

ईमेल : info@cims.me वेब : www.cims.me

- सुरक्षित आरोग्यलाभ के लिये गुणवत्तायुक्त चिकित्सा देखभाल
- २४ घंटे सेवाएं, सभी छुट्टियों और सप्ताहांत सहित
- उच्च प्रशिक्षित और अनुभवी हेल्थकेर प्रोफेशनल्स
- किराये पर मेडिकल उपकरण की सुविधाएं

1 दिन से 1 महीने और उससे ज्यादा स्वास्थ्य देखभाल आप के घर पे

बस एक कॉल करे
+91-90990 67988
+91-81418 92999

अपनी आवश्यक देखभाल के लिए

www.careathomes.com

CIMS Hospital Pvt. Ltd. | CIN : U85110GJ2001PTC039962 | info@cims.me | www.cims.me

मुद्रक, प्रकाशक और संपादक डॉ. हेमांग बक्षी ने सीम्स अस्पताल की ओर से हरिओम प्रिन्टरी, 15/1, नागोरी एस्टेट, ई.एस.आई डिस्पेन्सरी, दुधेश्वर रोड, अहमदाबाद-380004 से मुद्रित किया और सीम्स अस्पताल, शुक्न मॉल के पास, ऑफ सायन्स सिटी रोड, सोला, अहमदाबाद-380060 से प्रकाशित किया ।